प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार पटेल की जयंती पर एकतानगर केवडिया में रु. 280 करोड़ से अधिक की विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:320 दिनांक:31-10-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दीपोत्सव पर रामनगरी के संत-महंत खासतौर पर उल्लासित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा मानो फिर से त्रेता युग लौट आया हो। दीपोत्सव पर राममंदिर का विहंगम दृश्य, राम कथा पार्क में संतों से भेंट करते मुख्यमंत्री।

पीएम मोदी ने केवडिया में 284 करोड़ की परियोजनाओं को शिलान्यास और लोकार्पण किया

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर गुजरात पहुंच गई। दिवाली पूर्व संध्या पर नर्मदा जिले के केवडिया स्थित एकतानगर में पीएम मोदी ने रु. 284 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। पीएम मोदी ने आज उप जिला अस्पताल, ट्रैफिक सर्किल, स्मार्ट बस स्टॉप का शुभारंभ किया। साथ ही बोनसाई उद्यान, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी उदघाटन किया। इसके अलावा पीएम मोदी ने सरदार सरोवर बांध अनुभव केंद्र परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। पीएम मोदी आज एकतानगर में रात्रि विश्राम करेंगे और कल सुबह लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंति पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। जिसके पश्चात पीएम मोदी इसके बाद स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर होने वाली एकता परेड में शामिल होंगे।

गौर करनेवाली बात है कि इस साल 31 अक्टूबर को देशभर में अनोखा संयोग मनाया जाएगा। प्रकाश पर्व दिवाली के साथ-साथ देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती भी मनाई जाएगी। विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी इन दिनों पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वैश्विक पर्यटन स्थल की स्थापना को और मजबूत करने के लिए पीएम मोदी ने आज विभिन्न परियोजनाओं का प्रारंभ किया। प्रधानमंत्री ने 22 करोड़ की लागत से बने उप-जिला अस्पताल का उद्घाटन किया, जिसमें ट्रॉमा सेंटर, सिटी स्कैन, आईसीयू, लेबर रूम और ऑपरेशन थिएटर जैसी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं। इसके साथ ही आईसीयू ऑन-व्हील्स की नई सेवाएं भी लॉन्च की गई हैं। जिससे गंभीर स्थिति में भी तुरंत इलाज मिल सकेगा। एकता नगर के यातायात प्रबंधन और सौंदर्यीकरण में सुधार के लिए एकता नगर के विभिन्न क्षेत्रों में ट्रैफिक सर्कल सौंदर्यीकरण का निर्माण किया गया है। 10 स्मार्ट बस स्टॉप और 10 पिक-अप स्टैंड के निर्माण के साथ शहर की सुविधाओं में वृद्धि की गई है, जिसके पहले चरण का शुभारंभ इस समारोह में किया गया। जुलाई 2024 में, एसएपीटीआई संस्थान के सहयोग से आयोजित 20-दिवसीय मूर्तिकला संगोष्ठी के भाग के रूप में जल, प्रकृति और एकता पर आधारित 24 मूर्तियां बनाई गईं। ये मूर्तियां अब एकता नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित की गई हैं, जिससे शहर का पर्यटन और आकर्षण बढ़ेगा। पीएम मोदी ने बसखाड़ी से व्यूप्वाइंट-1 तक पैदल मार्ग के पहले चरण और एकता द्वार से श्रेष्ठ भारत भवन तक नवनिर्मित सड़कों का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने रु. 23.26 करोड़ की लागत से 4 मेगावाट की सौर परियोजना भी लॉन्च की, जो एकता नगर को हरित ऊर्जा की राह पर ले जाएगी। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से बोनसाई उद्यान और मियावाकी वन के विस्तार से प्रकृति प्रेमियों को अनोखा अनुभव होगा। 2023 में बाढ़ से हुई क्षति को देखते हुए कैक्टस गार्डन के पास सुरक्षा दीवार का विस्तार किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को सुरक्षित वातावरण और अधिक सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही गरुड़ेश्वर में रु. 60 करोड़ के खर्च से भविष्य में बाढ़ से बचाने और विकास को बनाए रखने के लिए जमीनी स्तर को ऊपर उठाने के लिए आतिथ्य जिले का पुनर्विकास किया गया है। इन परियोजनाओं के शुभारंभ के साथ एकता नगर न केवल पर्यटन के लिए, बल्कि लगातार विकास और नागरिक सुविधाओं के लिए भी देश भर में एक मॉडल बन जाएगा। एकता नगर मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों के संगम का प्रतीक होगा और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र होगा। प्रधानमंत्री ने एकतानगर में साकार हो रहे प्रोजेक्ट-प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का निरीक्षण किया।

केंद्रसरकार से पेंशनरों को मिलेगी डीआर की एक अतिरिक्त किस्त

नई दिल्ली : बुधवार को कार्मिक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पेंशन औरपेंशनभोगीकल्याणविभाग (डीओपी पी डब्ल्यू) ने सभी केंद्र सरकार के पेंशन भोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए 30अक्टूबर, 2024 को एक आदेश जारी किया है। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने बुधवार को पेंशनधारियों को महंगाई राहत (डीआर)की एक अतिरिक्त किस्त देने काआदेशजारीकरदियाहै। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने16अक्टूबरको केंद्रसरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनधारकों को तीन प्रतिशत महंगाईभत्ता(डीए)औरमहंगाईराहत (डी आर) की अतिरिक्त किस्त की मंजूरी दी थी। यह वृद्धि एक जुलाई, 2024 से की गयी थी। पहली जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर अब 50 से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है।

कार्मिक मंत्रालय ने बयान में कहा कि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने केंद्र सरकार के सभी पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनधारकों के लिए 30 अक्टूबर, 2024 को एक आदेश जारी किया है। बयान के अनुसार, अब पारिवारिक पेंशनधारकों सहित केंद्र सरकार के पेंशनधारक महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की उच्च राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। इसके तहत वे अपनी मूल पेंशन/पारिवारिक पेंशन के 50 प्रतिशत की जगह 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता और महंगाई राहत प्राप्त करेंगे।

बुधवार को कार्मिक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने सभी केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए 30 अक्टूबर, 2024 को एक आदेश जारी किया है। बयान के अनुसार पारिवारिक पेंशनभोगियों सहित केंद्र सरकार के पेंशनभोगी अपनी मूल पेंशन/पारिवारिक पेंशन बढ़कर 53 प्रतिशत तक महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की उच्च राशि के हकदार होंगे।

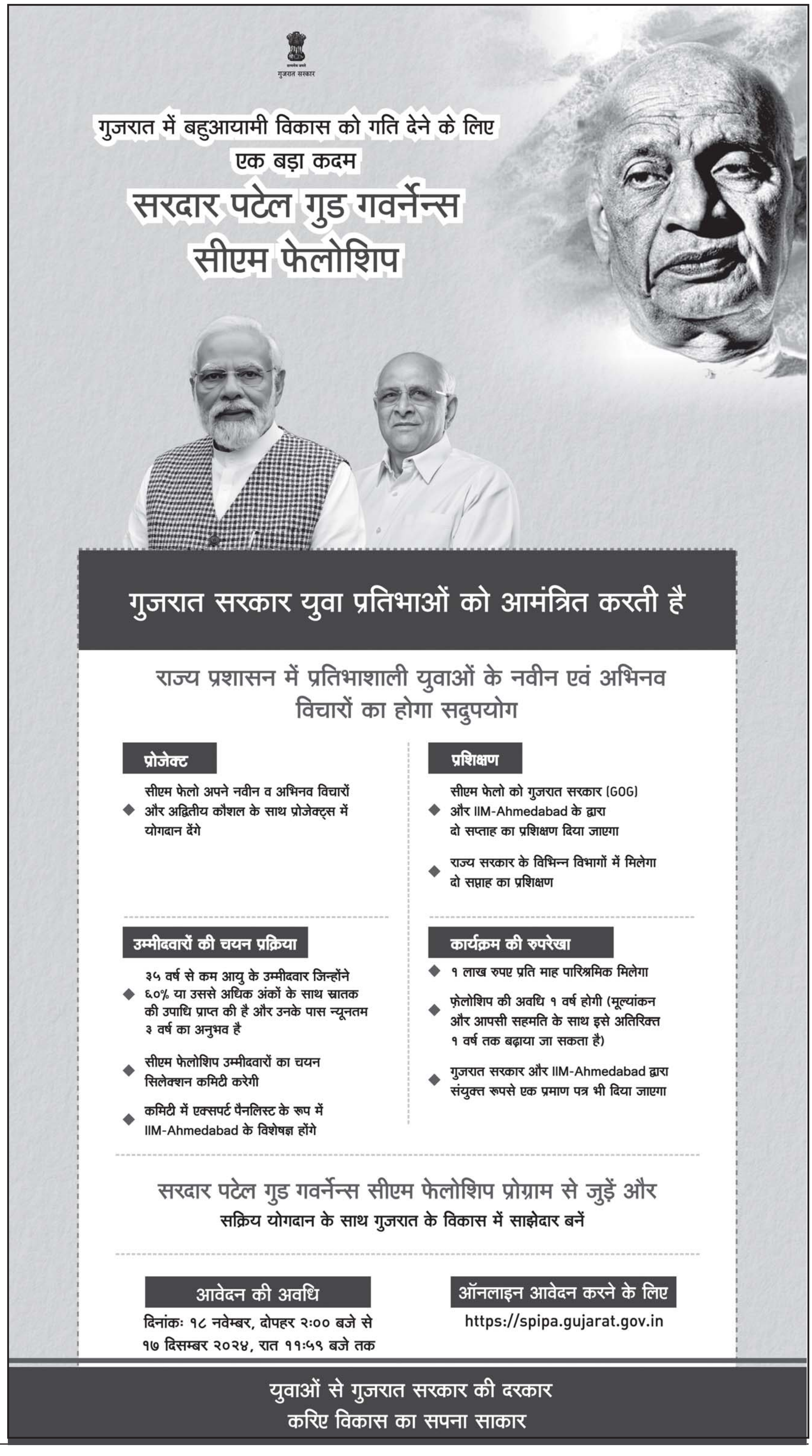

सीएम योगी ने कहा आज दुनिया अयोध्या को मान रही है, ऐसा ही काशी-मथुरा में भी हो

अयोध्या (ईएमएस)। 500 वर्षों के बाद बालक राम के भव्य मंदिर में विराजने के बाद इस बार पहली बार अयोध्या में दीपोत्सव की धूम है। लंका विजय के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम, माता सीता, भ्राता लक्ष्मण और अनन्य भक्त हनुमान के साथ पुष्पक विमान से अयोध्या पहुंचे।

जहां उनकी अगवानी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने की। पुष्पक विमान से उतरकर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व सीता जी राम दरबार तक आने के लिए रथ पर सवार हुए,तो इस रथ को स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने खींचा, इसके बाद सहयोग के लिए उनके मंत्रीगण सूर्यप्रताप शाही व उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी साथ आ गए। मंच पर बने सिंहासन पर विराजमान होने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सभी को तिलक लगाया और उनकी आरती उतारी।

इस मौके पर अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी पार्टियां पहले राम के नाम प्रश्न खड़ा करती थीं। अब पूरी दुनिया राम को मान रही है। सीएम योगी ने कहा जिस तरह की भव्यता आज अयोध्या में है वैसी ही भव्यता काशी और मथुरा में हो। देश की हर धार्मिक नगरी में उत्सव जैसा माहौल हो। सीएम योगी ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या एक नया इतिहास रच रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूरी दुनिया में राम के नाम को जाना है। हमारी संस्कृति को जाना है।

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म एक ऐसा धर्म है जिसने सभी को अपने सीने से लगाया। यह धर्म किसी से नफरत नहीं करता है। सीएम ने कहा कि हम भेदभाव नहीं करते।

हम भाषा, जाति और मजहब के नाम पर भेदभाव नहीं करते। राजा राम के गद्दी में बैठने के बाद जो हुआ था वही कर रहे हैं। आज उसी तर्ज पर श्रेष्ठ भारत जन्मा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज हमारे पास यह अवसर है उन सभी आत्माओं को स्मरण करने का जिनका पूरा जीवन राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित था। मैं इस अवसर पर उन सभी पूज्य संतों को नमन करता हूं। जो 3.5 लाख की संख्या में अपनी शहादत देकर एक ही तमन्ना के साथ इस धरा से अल्विदा हो गए कि अयोध्या में चाहें कुछ भी हो इस धरा पर राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। उनका संकल्प पूरा हुआ। राम लला के विराजमान होने के बाद ये दीपोत्सव का पहला अवसर है। इससे पहले हम लोग बोलते थे और जो हमने कहा वो करके भी दिखाया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत राज्य सरकार के कई मंत्री भी वहां मौजूद रहे। बाद में अयोध्या में 58 घाटों पर 28 लाख दीपक जलाकर दीपोत्सव का कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। मुख्यमंत्री ने राम की पैड़ी पर दीपक जलाकर आठवें भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद उन्होंने सरयू आरती में हिस्सा लिया।

विरोधी गैंग ने की लॉरेंस बिश्नोई के सिंडीकेट को खत्म करने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुश्मन गैंग ने लॉरेंस बिश्नोई के पूरे सिंडिकेट को खत्म करने की तैयारी कर ली है। इस बात की जानकारी देश की सुरक्षा एजेंसियों को भी मिली है।

सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई की बी कंपनी को खत्म करने का प्लान बनाया जा रहा है। दिल्ली से सटी जेल में बंद गैंगस्टर ने यह प्लान बनाया है। इस प्लानिंग के पीछे लॉरेंस के सबसे बड़े दुश्मन गैंगस्टर कौशल चौधरी का नाम सामने आया है। बता दें कि 26 अक्टूबर को दिल्ली के रानीबाग इलाके में एक बिजनेसमैन के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। वारदात को अंजाम देने वाले 2 शूटर्स को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में ये फायरिंग अमेरिका में बैठे कुख्यात गैंगस्टर पवन शौकीन ने करवाई थी। पवन शौकीन फिलहाल अमेरिका के कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो शहर में बैठा हुआ है। पवन शौकीन ने ही दोनों शूटर्स को दिल्ली में बिजनेसमैन के घर की रेकी कनरे के बाद फायरिंग करने का ऑर्डर दिया था। फायरिंग के बाद बिजनेसमैन से 15 करोड़ रुपए मांगे गए थे। सूत्रों के मुताबिक पीड़ित ये पैसे देने के लिए तैयार भी था।

स्पेशल सेल के सूत्रों के मुताबिक अमेरिका में बैठा पवन शौकीन गुरुग्राम के भोंडसी जेल में बैठे कुख्यात गैंगस्टर कौशल चौधरी के इशारे पर काम करता है। कौशल को थाईलैंड से डिपोर्ट करके भारत लाया गया था। कौशल चौधरी गुरुग्राम का रहने वाला है। इस पर हत्या जैसे संगीन मामले दर्ज हैं।

एनआईए कौशल चौधरी पर शिकंजा कस चुकी है और कई बार इसके गैंग के ठिकाने पर रेड भी की जा चुकी है। बता दें कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद कौशल चौधरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर सिद्धू की हत्या का बदला लेने का ऐलान भी किया था। एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई भी कौशल चौधरी को हर हाल में मारना चाहता है। लॉरेंस भी जानता है कि उसके गैंग को अगर कोई चैलेंज दे सकता है और पलटवार कर सकता है तो वह गैंगस्टर कौशल चौधरी ही है। कौशल चौधरी के पास भी लॉरेंस बिश्नोई की तहत बड़ी तादात में शूटर्स हैं, नेटवर्क है और पैसा भी है।

लॉरेंस बिश्नोई ने एनआईए के सामने पूछताछ में खुलासा किया था कि उसकी हिट लिस्ट में कौशल चौधरी है। जेल में बंद गैंगस्टर चौधरी भी जानता है कि अगर उसने लॉरेंस बिश्नोई को नहीं मारा तो वो एक दिन खुद मारा जाएगा। इसलिए कौशल चौधरी ने अपना गैंग चुपचाप सालों तक नए सिरे से खड़ा किया और इसी प्लान के तहत उसने अपने खास मेंबर पवन शौकीन को अमेरिका भेजा है। वसूली के जरिए पैसा जुटाकर कौशल चौधरी अपने गैंग को और मजबूत करना चाहता है। इतना मजबूत की वो लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग को खत्म कर सके।

मदरसे सहित पांच अहम केस में फैसला सुनाकर रिटायर्ड होंगे सीजेआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर हो जाएंगे। ऐसे में जाते-जाते सीजेआई मदरसे सहित पांच अहम केसों पर फैसला सुनाकर जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट दिवाली की छुट्टियों की वजह से अब 4 नवंबर को खुलेगा। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच को 4 से 8 नवंबर तक कई बड़े मामलों में फैसला सुनाना है। क्योंकि 9 और 10 नवंबर को शनिवार और रविवार होने की वजह से सुप्रीम कोर्ट बंद रहेगा, ऐसे में डीवाई चंद्रचूड़ के लिए 8 नवंबर सीजेआई के रूप में आखिरी दिन होगा। इस तरह सीजेआई के पास पांच दिन बचे हुए हैं। सीजेआई को जिन पांच मामलों में फैसला सुनाना है, उनमें मदरसा एक्ट मामला सबसे अहम है। मदरसा एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्टूबर को सुनवाई करके फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट में 22 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को असंवैधानिक घोषित किया गया था। इसके अलावा अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के माइनॉरिटी स्टेटस को लेकर भी काफी समय से सुनवाई हो रही है। इस मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की 7 जजों की पीठ ने आखिरी सुनवाई के दौरान फैसला सुरक्षित रखा था। अब देखना होगा कि सीजेआई एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा देने के पक्ष में हैं या इसके खिलाफ है।

एलएमवी लाइसेंस का मामले पर फैसला सुरक्षित

एलएमवी लाइसेंस मामले में आखिरी सुनवाई 21 अगस्त को हुई थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस केस में विवाद यह है कि लाइटर मोटर व्हीकल के लाइसेंस धारकों को 7500 किलोग्राम से ज्यादा वजन वाले लाइट मोटर व्हीकल क्लास के परिवहन वाहन को चलाने की अनुमति है या नहीं। कोर्ट को यह तय करना है कि क्या हल्के मोटर वाहन लाइसेंस धारक को उसी कैटेगरी के परिवहन वाहन चलाने की अनुमति है या नहीं।

जन हितैषी

70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा, सराहनीय कदम

भगवान धन्वंतरि जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान वय वंदन कार्ड योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 70 साल से ज्यादा के बुजुर्गों को बिना किसी भेदभाव के ?500000 तक के इलाज की सुविधा निशुल्क देने की योजना शुरू की है।यह योजना केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी का एक सराहनीय कार्य है। जिस तरह से भारत में बुजुर्गों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। एकल परिवार में लोग रह रहे हैं। संयुक्त परिवार अब कहीं देखने को नहीं मिलते हैं।महंगाई और बेरोजगारी के बीच बुजुर्गों क़ी स्वास्थ्य सेवा पर पैसा खर्च करना मध्य और निम्न वर्ग के परिवारों के लिए संभव ही नहीं था। जिसके कारण बुजुर्गों की उपेक्षा हो रही थी। मध्यम वर्ग के उन परिवारों के लिए जो आयुष्मान कार्ड की सीमा में नहीं आते थे। उनके लिए बुढ़ापा बहुत कष्टदाई साबित हो रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान वय वंदन योजना लागू करके बुजुर्गों को एक सामाजिक एवं शारीरिक सुरक्षा प्रधान की है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। सरकार योजनाएं अच्छी बनाती है।उनका क्रियान्वयन मे जमीनी हकीकत बिल्कुल उल्टी होती है। हर जगह भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण सरकार की योजनाओं का पैसा खर्च होता है। जिन लोगों के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन लोगों को वैसा लाभ भी नहीं मिल पाता है। सरकार ने जिस सोच के साथ योजना बनाई है। सरकार ने स्वास्थ्य सुविधा बुजुर्गों के लिए दी है। इसमें एलोपैथी चिकित्सा के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा को भी शामिल किया जाना चाहिए। आयुर्वेदिक चिकित्सा के माध्यम से स्थाई इलाज की संभावना ज्यादा होती है। एलोपैथी चिकित्सा में निरंतर दवाइयां खानी पड़ती हैं जिनके साइड इफेक्ट भी बहुत होते हैं। सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। बुजुर्गों को वास्तव में सेवा उपलब्ध हो इसके लिए एलोपैथी और आयुर्वेदिक चिकित्सा के अस्पताल मैं बेहतर ढंग से सुविधा मिले इसका भी ध्यान सरकार को रखना होगा। जिन बुजुर्गों ने अपना पूरा जीवन देश और समाज को दिया है। यदि उनका बुढ़ापा सुख शांति से कटता है। तो इसका आशीर्वाद भी पूरी समाज को मिलता है। सरकार को अस्पतालों की बुनियादी सुविधाएं, डॉक्टरों की उपलब्धता, अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपस्थिति, विशेष रूप से बुजुर्गों के लिए सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती हैं। तभी योजना को सफल माना जा सकता है। सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में जिस तरह से आम आदमी को पापड़ बेलने पड़ते हैं। योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी औपचारिकताओं को पूरा करना पड़ता है। वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में जो डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ है। वह बुजुर्गों के प्रति सहानुभूति रखते हुए उनका बेहतर सहानुभूति रखते हुए इलाज करता है। तो यह योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। सरकारी और निजी अस्पतालों में ऑपरेशन जांच और दवाइयों का खर्च दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है। इस पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। वृद्धावस्था में तरह-तरह की बीमारियां बुजुर्गों को घेर लेती हैं। जिस तरह से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर इलाज की राशि बेतहासा बढ़ती जा रही है। इस पर भी सरकार को नियंत्रण करना होगा। बुजुर्गों के पास बहुत ज्ञान होता है।हर समस्या का समाधान उनके पास होता है। बुजुर्गों के ज्ञान का लाभ हर पीढ़ी को लाभान्वित करने वाला होता है। परिवार और समाज में समन्वय बनाने का काम भी यही बुजुर्ग करते हैं।ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने बुजुर्गों के लिए जो योजना शुरू की है। उसकी तारीफ हर स्तर पर हो रही है।इस योजना को बेहतर तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। इसके बड़े सार्थक परिणाम देखने को मिलेंगे। मध्यवर्ग के लोग सबसे ज्यादा टैक्स देते रहे हैं। समाज एवं देश के विकास में मध्यमवर्ग की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रहती है। माध्यम वर्ग के बुजुर्गों की तरफ सरकार ने बिना किसी भेदभाव के जो ध्यान केंद्रित किया है। इससे मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी।सरकार यदि बुजुर्गों के लिए इसी तरह का सम्मान प्रदर्शित करते हुए,उनके द्वारा किए हुए कार्यों का मूल्यांकन कर, उनके बुढ़ापे को सुरक्षित बनाने की दिशा में काम करेगी। ऐसी स्थिति में मध्यम वर्ग और बुजुर्ग ज्यादा विश्वास के साथ अंतिम समय तक राष्ट्र के विकास में योगदान देंगे। सरकार का यह कदम निश्चित रूप से सराहनीय है।

भारत के लौह पुरुष थे सरदार पटेल

(31 अक्टूबर जयन्ती पर विशेष)

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू ~~को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था।~~ 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है। (लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

खेल-समाचार

विराट, रोहित सहित इन खिलाड़ीयों को बड़ी रकम देकर रिटेन करेगी टीमें

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी से पहले सभी टीमें खिलाड़ियों को रिटेन करने की सूची पर काम कर रही है। आईपीएल के नये नियमों के अनुसार हर फ्रैंचाइजी अधिक से अधिक छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है, जिनमें से कम से कम एक अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी होना चाहिए। आईपीएल के इस सत्र में विराट कोहली, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, के एल राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे स्टार खिलाड़ियों को इनकी टीम करीब 20 करोड़ की मोटी राशि में रिटन कर सकती हैं। बड़े खिलाड़ियों को नीलामी पूल में शामिल होने से रोकने के लिए भी टीमें उन्हें मोटी रकम का लालच दे सकती हैं। एक अनुमान के अनुसार इन पांच खिलाड़ियों को 20 करोड़ रुपए में रिटेन किया जा सकता है।

रोहित शर्मा : रोहित को पिछले सत्र में मुम्बई इंडियंस ने कप्तानी से हटा दिया था जिससे माना जा रहा है कि वह नाराज है। ऐस में उन्हें अपने साथ बनाये रखने के लिए मुम्बई को काफी प्रयास करने होंगे। नीलामी से पहले ही रोहित को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं और ये भी कहा जा रहा है कि वह मुम्बई इंडियंस छोड़ सकते हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले सीजन से पहले रोहित को कप्तानी की जिम्मेदारी से हटाने के बाद भी फ्रैंचाइजी रोहित को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। वास्तव में वे उन्हें 20 करोड़ रुपए का भुगतान कर सकते हैं जिससे रोहित नीलामी में ना आएं।

विराट कोहली : विराट अब तक अपने पूरे करियर में एक ही टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से खेले हैं। आईपीएल में उनके नाम सबसे ज़्यादा रन हैं पर वह अपनी टीम को कभी जीत नहीं दिला पाये। कोहली को आरसीबी 20 करोड़ रुपए में रिटेन कर सकती है। इस क्रिकेटर को साल 2018 में 18 करोड़ रुपए में बरकरार रखा गया था। ये पिछली सर्वश्रेष्ठ रिटेंशन राशि से 2 करोड़ अधिक था। आरसीबी इस बार उन्हें और अधिक बड़ी रकम दे सकती है।

ऋषभ पंत : दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी टीम को छोड़कर नीलामी में आने का संकेत दिया। ऋषभ 2016 में अपने डेब्यू सीजन से ही दिल्ली टीम का हिस्सा रहे हैं। नीलामी से उन्हें दूर करने के लिए टीम उन्हें 20 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड राशि में बनाये रख सकती है।

श्रेयस अय्यर : श्रेयस ने इस साल की शुरुआत में अपना बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध खो दिया था। पिछले सत्र में उनकी कप्तानी में टीम आईपीएल खिताब जीती थी। । ऐसे में नए कप्तान की तलाश में लगी टीमें श्रेयस को हासिल करने का प्रयास करेंगी। उसको रोकने के लिए केकेआर उन्हें मोटी राशि देकर अपने साथ बनाये रखना चाहेगी।

हार्दिक पांडया : ऑलराउंडर हार्दिक पांडया को पिछले सत्र में मुम्बई इंडियंस ने कप्तानी दी थी हालांकि टीम का प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा नहीं रहा था इसके बादी भी टीम उन्हें बनाये रखने पूरे प्रयास करेगी। पिछले सीजन में मेगा ट्रेड डील के तहत उन्हें टीम ने गुजरात टाइंटंस से खरीदा था। अब मुम्बई उन्हें बनाये रखने बड़ी रकम लगाएगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर 2-1 से सीरीज जीती

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर एकदिवसीय सीरीज जीती है। अहमदाबाद में खेले गए तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इस जीत से भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर बेहद उत्साहित हैं। हरमनप्रीत के अनुसार इस जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है।

तीसरे एकदिवसीय में उप कप्तान स्मृति मंधाना के शतक की भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका रही। मंधाना ने इस मैच में अपना शतक लगाते ही अपना आठवां पूरा किया। ये इस प्रारुप में किसी भारतीय के बनाये सबसे अधिक शतक है। वहीं हरमनप्रीत ने नाबाद 59 रन बनाये। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, 'यह जीत हमारे लिए अहम थी क्योंकि हम किसी भी कीमत पर यह सीरीज जीतना चाहते थे। साथ ही कहा कि जब भी हम खेलते हैं तो अपना सौ फीसदी प्रतिशत देना चाहते हैं पर कभी-कभी चीजें आपके हिसाब से नहीं होती हैं।'

सीरीज का पहला एकदिवसयी भारत ने जबकि दूसरा न्यूजीलैंड ने जीता। वहीं तीसरे एकदिवसीय में जीत के साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर सीरीज पर कब्जा कर लिया। भारतीय कप्तान ने कहा, 'एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में आपको अपने को आगे बढ़ाते रहना चाहिए। हमने टीम बैठक में इन चीजों पर बात की इसलिए बेहद खुश हूं कि हम पिछले मैच में हार के बाद वापसी कर पाए।' कप्तान हरमनप्रीत ने स्मृति की शानदार बल्लेबाजी के लिए प्रशंसा करते हुए उसे जीत का श्रेय भी दिया।

मंधाना ने बनाया रिकार्ड

अहमदाबाद (ईएमएस)। यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतक लगाकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाने वाली सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। स्मृति अब भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाली महिला खिलाड़ी बन गयी हैं। मंधाना ने सीरीज जीतने के बाद कहा राब प्रदर्शन के कारण उन्हें रातों को अच्छी नींद नहीं आती थी।

इसलिए सीरीज जीत कर मैं बेहद खुश हूं। जैसा कि मैंने पहले गेम में कहा था, इस टीम के लिए डेढ़ महीना कठिन रहा है। पहले दो गेम मेरे अनुकूल नहीं रहे, इसलिए मुझे बहुत ख़ुशी है कि मैं आज बड़ा स्कोर बना सकी। यह मेरे शॉट्स को नियंत्रित करने के बारे में था, आप हर रोज एक ही तरह से बल्लेबाजी नहीं कर सकते। कुछ दिन आप सर्वश्रेष्ठ स्थिति में होते हैं और कुछ दिन नहीं।

स्मृति ने कहा कि शुरुआत में अपने पर थोड़ा सख्त होना पड़ा और खेल शुरू करने से पहले पहले 10 ओवरों का इंतजार करना पड़ा। मेरे लिए जो तरीका काम करता है वह कठिन है। पहले टीम के लिए ऐसा करने की जरूरत है क्योंकि जल्दी आउट होने का मतलब है कि मैंने टीम को निराश करना जो मुझे पसंद नहीं है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान दिन भर बाजार उतार-चढ़ाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 426.85 अंक करीब 0.53 फीसदी नीचे आकर 79,942.18 पर बंद हुआ वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 125.99 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी टूटकर 24,340.85 पर बंद हुआ।

निफ्टी के 50 में से 31 शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इसमें सिप्ला, श्रीराम फाइनेंस, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। इन शेयरों में 4.03 फीसदी तक गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर, अदाणी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, हीरो मोटोकॉर्प, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और मारुति सुजुकी इंडिया के शेयर बढ़त पर बंद हुए। इसमें 3.74 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई।

स्मॉल-कैप शेयरों का प्रदर्शन अच्छा रहा। निफ्टी स्मॉलकैप 200 इंडेक्स 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो एफएमसीजी, मीडिया, मेटल और कुछ हेल्थकेयर इंडेक्स को छोड़कर बाकी सभी क्षेत्रों में गिरावट देखी गई।

जानकारों के अनुसार निफ्टी बुधवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव भरा रहा और 24,300 से 24,500 के दायरे में कारोबार करता रहा। शुरुआती गिरावट के बाद निफ्टी एक सीमित दायरे में रहा और निचले स्तर के करीब बंद हुआ। एफएमसीजी को छोड़कर अन्य सेक्टर्स में गिरावट देखी गई, जिसमें बैंकिंग, फार्मा और आईटी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। हालांकि, स्मॉल-कैप इंडेक्स ने एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की।''

इससे पहले आज सुबह ही बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार खुलने पर बीएसई सेंसेक्स 153.59 अंक करीब 0.19 फीसदी नीचे आकर 80,215.44 पर करोबार कर रहा थ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 70.65 अंक तकरीबन 0.29 फीसदी टूटकर 24,396.20 पर कारोबार करता दिखा।

आज सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स 42.2 अंक नीचे आकर 24,435.5 पर कारोबार करता दिखा। वहीं अमेरिकी बाजार में गत दिवस मिश्रित कारोबार हुआ। नेसडेक कंपोजिट 0.78 फीसदी की तेजी के साथ नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा। एसएंडपी 500 में 0.16 फीयदी की बढ़त रही जबकि डाओं जोंस 0.36 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ। इस दौरान अमेरिकी बाजारों का प्रभाव भी एशिया-प्रशांत के बाजारों में नजर आया। जापान का निकेई 0.92 फीसदी बढ़ा जबकि चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1 फीसदी नीचे और शंघाई कंपोजिट हल्की गिरावट के साथ स्थिर रहा।

वहीं पिछले सत्र में भारतीय बाजारों में तेजी आई थी। बीएसई सेंसेक्स 363.99 अंकों 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ ही 80,369.03 पर बंद हुआ जबकि एनएसई निफ्टी में 127.70 अंकों 0.52 फीसदी की बढ़त आई और यह 24,466.85 पर बंद हुआ।

पश्चिमी रेलवे अहमदाबाद

4 लेन रोड ओवरब्रिजो का निर्माण और विभिन्न कार्य

ई-निविदा संख्या: Dy.CE-C-V-ADI-DSL-NLY-10 दिनांक: 26.10.2024 डेप्युटी चीफ इंजीनियर (सी)वी, अहमदाबाद भारत संघ के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते है: **(1) ई-निविदा संख्या :** Dy.CE-C-V-ADI-DSL-NLY-10 **(2) कार्य का नाम :** "पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर भुज नलिया गेज परिवर्तन परियोजना के संबंध में लेवल क्रॉसिंग संख्या 62 किमी(90/15-91/1) के बदले 4 लेन रोड ओवर ब्रिजो और अन्य विविध कार्यों के लिए पहुंच मार्गों का निर्माण।" **(3) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹95,46,99,838.01 **(4) बोली सुरक्षा :** ₹49,23,500/- **(5) निविदा का प्रकार :** दो पैकेट सिस्टम दो चरण रिवर्स नीलामी **(6) समापन अवधि :** 12 (बारह महीने (मानसून सहित) **(7) समापन समय और तिथि :** 22.11.2024 15.00 बजे। **(8) वेबसाइट विवरण, नोटिस बोर्डका स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता :** डेप्युटी चीफ इंजीनियर (सी)वी, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद। **वेबसाइट:** www.ireps.gov.in 69

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

गैर-विनाशकारी परीक्षण के लिए ठेकाकार्य

ई-निविदा सूचना सं : DRM (M) ADI/42/ 2024-25 dated 25/10/2024 योग्य ठेकेदारो से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** कोचिंग डिपो भुज और गांधीधाम में एडी करंट एरे (ईसीए) का उपयोग करके एलएचबी व्हील सेटों के गैर-विनाशकारी परीक्षण (एनडीटी) के लिए दो साल के लिए ठेकाकार्य। **टेंडर संख्या :** M 442/NDT/GIM/ BHUJ/23-24 **कार्य का अनुमानित लागत :** ₹69,67,096.40/- (रुपये उनसठ लाख सड़सठ हजार छियानवे और चालीस पैसे मात्र) **बयाना जमा राशि (Bid Security) :** ₹1,39,400/- (रुपये एक लाख उनचालीस हजार चार सौ मात्र) **निविदा के बंद एवं खुलने का दिन एवं समय : बंद होने का समय दिनांक :** 18/11/2024 को 15:00 बजे तक, **खुलने का समय दिनांक :** 18/11/2024 को 15.30 बजे। **वेबसाइट का पता, सूचना पट्ट जहाँ निविदा की जानकारी उपलबद्ध होगी, कार्यालय का पता जहाँ से निविदा आमंत्रित किया गया है :** डिवीजनल रेलवे मैनेजर (मैकेनिकल) (पश्चिम रेलवे) - अहमदाबादका कार्यालय, दूसरा माला, मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय, चामुंडा ब्रिज के पास, नरोडा रोड, पोस्ट : सैजपुर बोघा, अहमदाबाद - 382 345 http://www.ireps.gov.in 219

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

गुजरात एक सप्ताह तक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को मेमो नहीं देगा

अहमदाबाद, 30 अक्टूबर,

दिवाली उत्सव के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले मोटर चालकों को मेमो देने के बजाय, गुजरात पुलिस ड्राइवरों को जागरूकता पंपलेट और गुलाब के गुलदस्ते देगी। जिसमें 30 अक्टूबर से 6 नवंबर तक पुलिस को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई न करने का निर्देश दिया गया है. वाहन चालकों में यातायात के प्रति जागरूकता की कमी के चलते त्योहारों के दौरान पुलिस ने यह नया प्रयोग किया है। यह नया प्रयोग पूरे प्रदेश में शुरू किया गया है। जिसमें हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने, ओवर स्पीड, गलत साइड डाइविंग और लेन उल्लंघन का कोई मेमो नहीं दिया गया.

राज्य के गृह विभाग और गुजरात पुलिस ने दिवाली के त्योहार पर राज्य भर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक अनोखा प्रयोग शुरू किया है। जिसमें 30 अक्टूबर से 6 नवंबर के बीच यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को पुलिस मेमो नहीं बल्कि गुलाब का फूल और जागरूकता पत्रक देगी. साथ ही उन्हें यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाले कानूनी, पारिवारिक नुकसान के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यातायात के मुद्दों को उतनी अच्छी तरह से नहीं समझा जाता है जितनी लोग उम्मीद करते हैं और कई लोग जानबूझकर नियम तोड़ते हैं। जिसके कारण कई मामलों में परिवार के सदस्यों को भी परेशानी होती है। जिससे लोगों को यातायात जागरूकता परियोजना के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को जागरूक किया जाएगा।

यातायात जागरूकता के लिए पुलिस पंपलेट और पंपलेट उपलब्ध कराएगी गृह विभाग ने दिवाली के त्योहार के दौरान वाहन चालकों के बीच यातायात जागरूकता बढ़ाने का निर्णय लिया ह

मानेकचौक से बावन लाख की चोरी सुलझीः दो युवक गिरफ्तार

अहमदाबाद, 30 अक्टूबर

एक सप्ताह पहले मानेक चौक स्थित एक दुकान से तस्करों ने बाथरूम की खिड़की का ग्रिल तोड़कर चार लाख रुपये नकद और छह सोने की छड़ें समेत कुल 52.36 लाख रुपये की चोरी कर ली थी. इस वारदात को सुलझाने के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने कलोल के रहने वाले दो आरोपियों को 48.36 लाख रुपये की सोने की ईंटों के साथ गिरफ्तार किया है. जबकि मुख्य सरगना के चार लाख की नकदी लेकर भागने का पता चला है। शहर के निम्यांगर नगर के शांताराम कॉम्प्लेक्स में रहने वाले जयदीप सोनी मानेक चौक की संकरी गली में सोने के आभूषण का कारोबार चलाते हैं। खड़िया पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई थी कि 23 अक्टूबर की रात कुछ तस्कर बाथरूम की खिड़की की ग्रिल तोड़कर दुकान में घुस गए और 4 लाख रुपये नकद और 48.36 लाख रुपये की सोने की छड़ें चुरा लीं। मानव स्त्रोत और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के पीआई जेके मकवाना और उनके स्टाफ को जानकारी मिली कि जयदीप की दुकान में पहले काम करने वाले शिंटू चक्रवर्ती की भूमिका संदिग्ध है. इसके अलावा मानेकचौक में एक अन्य दुकान में काम करने वाले दो युवक भी उसके साथ जुड़े हुए हैं। इसके आधार पर पुलिस ने गांधीनगर के कलोल में रहने वाले संजय वैष्णव (उम्र 37) और शैलेश जादव (उम्र 33) को गिरफ्तार किया

पूर्व विपक्षी नेता परेश धनानी की तबीयत बिगड़ी, करानी पड़ी एंजियोप्लास्टी

29 अक्टूबर

परेश धनानी न्यूज़ः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर गुजरात के कई नेता महाराष्ट्र में प्रचार कर रहे हैं. गुजरात विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता परेश धनानी की नागपुर में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक उनकी एंजियोप्लास्टी की गई है, अब उनकी तबीयत स्थिर है. जैसे ही हमें खबर मिली कि परेश धनानी की तबीयत खराब हो गई है

अमरेली के रहने वाले परेश धनानी ने लोकसभा 2024 में अमरेली के मूल निवासी बीजेपी नेता प्रसोत्तम रूपाला के खिलाफ चुनाव लड़ा था. दोनों ने अमरेली की बजाय राजकोट से लोकसभा चुनाव लड़ा. परसोत्तम रूपाला के विवादित बयान पर मामला गरमाने के बावजूद धनानी हार गए. 22 साल बाद परेश धनानी और रूपाला चुनाव में आमने-सामने हुए.इससे पहले 2002 में अमरेली विधानसभाचुनावमेंरूपाला को हराकर धनानी जाइंट किलर बन गए थे।

लोकसभा चुनाव के दौरान परेश धनानी द्वारा दाखिल हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 1.40 लाख रुपये नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास 1.56 लाख रुपये नकद हैं. एसबीआई की गांधीनगर शाखा के खाते में 57,647 रुपये और बैंक ऑफ इंडिया के खाते में 37,000 रुपये हैं. है उनकी पत्नी का अमरेली एसबीआई शाखा में 2814 रुपये का खाता है। है इसके अलावा 50,332 रुपये के प्रीमियम के साथ परेश धनानी मेडिक्लेम और 15,749 रुपये के प्रीमियम के साथ एक्सीडेंटल इंश्योरेंस भी है। है जबकि उनकी पत्नी के पोस्ट अकाउंट में 4.37 लाख का बैलेंस है. संगठन को दिए गए व्यक्तिगत ऋण या उधारकर्ताओं से प्राप्तियों के संदर्भ में शरदभाई धनानी को 37 लाख, लाभुबेन धनानी को 4.50 लाख, वर्षाबेन धनानी को 1.20 लाख।

जबकि 2.25 लाख टीडीएस खाते में हैं. करोड़ों की संपत्ति के बावजूदनतो परेश धनानी और न ही उनकीपत्नी के पास चार पहिया गाड़ी है। बेटीके नाम पर एक दोपहिया वाहन है. परेश धनानी के पास 120 ग्राम सोना है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 7.92 लाख है। उनकी पत्नी के पास बुजुर्ग से विरासत में मिला 260 ग्राम सोना है।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

ठेकाकार्य

ई-निविदा सूचना सं : DRM (M) ADI/43/ 2024-25 दिनांक 25/10/2024 योग्य ठेकेदारो से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** मरम्मत, पेंटिंग, समायोजन, सीलिंग, सील पंचिंग, सफाई, ब्रशिंग, लोडिंग/अनलोडिंग सहित पुनः व्यवस्था और सी. आई. मास्टर वजन (10 किग्रा, 20 किग्रा, और 50 किग्रा) का पुनः सत्यापन/पुनः अंशांकन के लिए 5 वर्षो के लिए ठेकाकार्य। **टेंडर संख्या :** M233/ Repair/Standard Weights/VG **कार्य का अनुमानित लागत :** ₹19,52,935.11/- (रुपये उन्नीस लाख बावन हजार नौ सौ पैंतीस और ग्यारह पैसे मात्र) **बयाना जमा राशि (Bid Security) :** ₹39,100/- (रुपये उनचालीस हजार एकसौ मात्र) **निविदा के बंद एवं खुलने का दिन एवं समय : बंद होने का समय दिनांक :** 18/11/2024 को 15:00 बजे तक, **खुलने का समय दिनांक :** 18/11/2024 को 15.30 बजे। **वेबसाइट का पता, सूचना पट्ट जहाँ निविदा की जानकारी उपलबद्ध होगी, कार्यालय का पता जहाँ से निविदा आमंत्रित किया गया है :** डिवीजनल रेलवे मैनेजर (मैकेनिकल) (पश्चिम रेलवे) - अहमदाबादका कार्यालय, दूसरा माला, मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय, चामुंडा ब्रिज के पास, नरोडा रोड, पोस्ट : सैजपुर बोघा, अहमदाबाद - 382 345 http://www.ireps.gov.in 220

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

10 हजार दीपों से जगमगाया गांधीनगर का अक्षरधाम मंदिर

गांधीनगरः,30 अक्टूबर

देशभर में दिवाली का त्योहार मनाया जा रहा है. दिवाली के मौके पर गांधीनगर का स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर दीयों से जगमगा उठा। यहां मंदिर में 30 अक्टूबर से 8 नवंबर तक दिवाली मनाई जाएगी. यहां 10 हजार से ज्यादा दीपक जलाए जाएंगे.

अक्षरधाम मंदिर के अक्षरवत्सल स्वामी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, यहां की खास बात यह है कि यहां हर दिवाली पर हजारों दीपक जलाए जाते हैं। यहां लगभग 10,000 दीपक जलाए जाते हैं और दीपोत्सव मनाया जाता है। यहां विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। यहां एक नई नीलकंठ वाटिका का निर्माण किया गया है जहां भगवान स्वामीनारायण की 'पंचधातु' से बनी 49 फीट ऊंची मूर्ति स्थापित है। 11 नवंबर को पूरे समारोह के साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

अक्षरधाम मंदिर के स्वयंसेवक आएश मंदनका के मुताबिक, पिछले 32 सालों से हर दिवाली पर अक्षरधाम मंदिर को इसी तरह 10,000 दीयों से सजाया जाता है। इस साल भी यह 8 नवंबर तक रोजाना शाम 6बजे से 7.45 बजे तक जारी रहेगा.

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए विशेष किराये पर तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है, जिनमें उधना-कटिहार-उज्जैन के बीच एक आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन तथा उधना-दानापुर-वडोदरा के बीच और उधना एवं प्रयागराज के बीच दो अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन स्पे्शल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09047/09048 उधना-कटिहार-उज्जैन स्पेशल ड2 फेरे.

ट्रेन संख्या 09047 उधना-कटिहार स्पेशल शुक्रवार, 1 नवंबर, 2024 को 00:20 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे कटिहार पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09048 कटिहार-उज्जैन स्पेशल शनिवार, 2 नवंबर, 2024 को 17:00 बजे कटिहार से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:30 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया और नौगछिया स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09047 का भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा और उज्जैन स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

2. ट्रेन 09053/09054 उधना - दानापुर - वडोदरा अनारक्षित स्पेशल ड2 फेरे.

ट्रेन संख्या 09053 उधना - दानापुर स्पेशल गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 को 10:00 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:30 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09054 दानापुर - वडोदरा स्पेशल शनिवार, 2 नवंबर, 2024 को 04:00 बजे दानापुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे वडोदरा पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09053 का सूरत, सयान, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

3. ट्रेन 09011/09012 उधना-प्रयागराज अनारक्षित स्पेशल ड2 फेरे.

ट्रेन संख्या 09011 उधना-प्रयागराज स्पेशल गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 को उधना से 07:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:15 बजे प्रयागराज पहुँचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09012 प्रयागराज-उधना स्पेशल शुक्रवार, 1 नवंबर, 2024 को प्रयागराज से 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16:05 बजे उधना पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, सयान, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना और मानिकपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09047 की बुकिंग 31/10/2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया ै.हल्बिग्र्ह्हिंग्तुदन्ःग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95

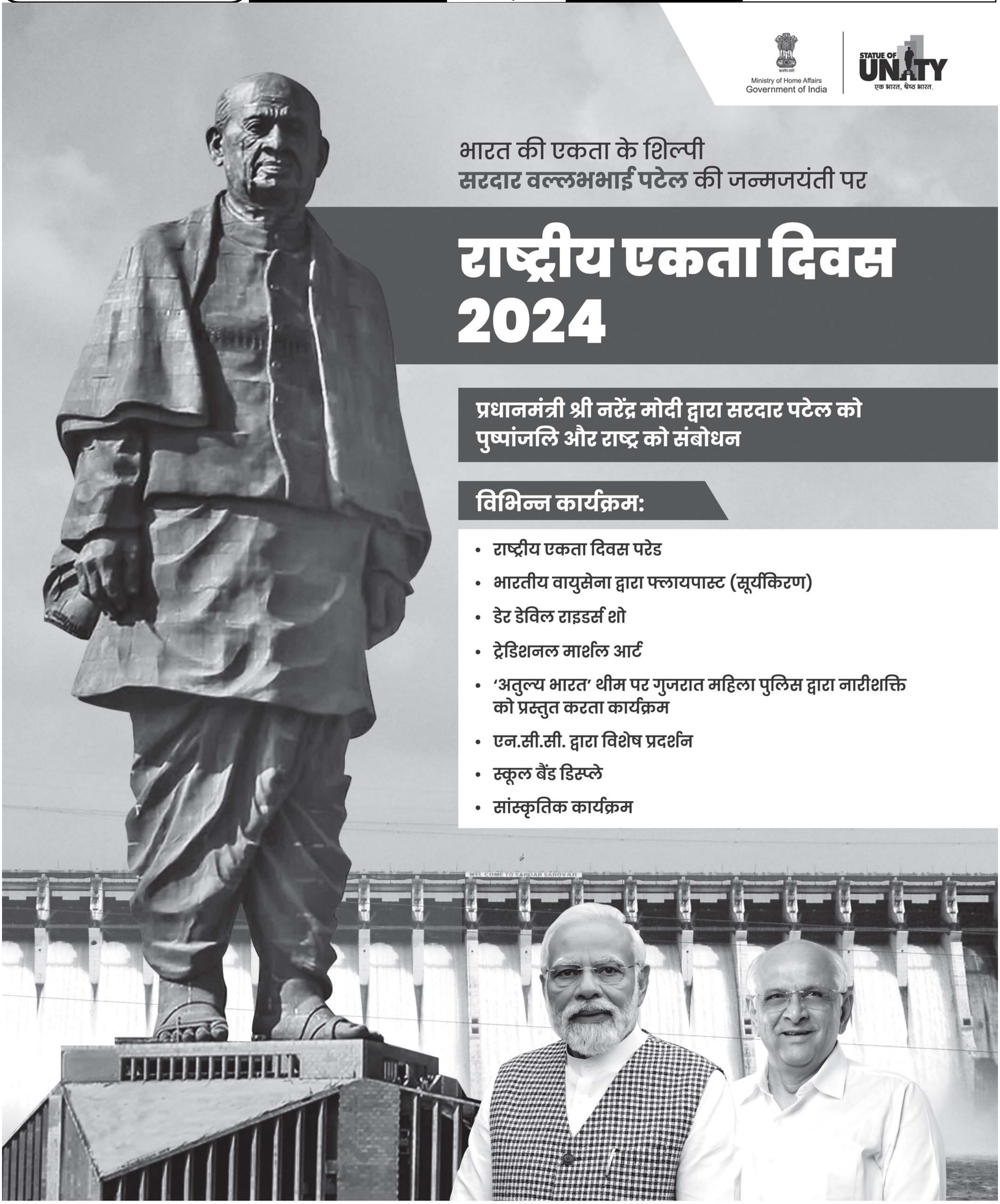

"सरदार पटेल की जन्मजयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे लिए केवल एक तारीख नहीं हैं।
बल्कि भारत के सामर्थ्य को दर्शा रहा एक पर्व हैं"
– प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

दिनांक: 31 अक्टूबर, 2024 | **समय:** प्रातः 07:15 बजे से | **स्थल:** एकतानगर, गुजरात

कार्यक्रम का जीवंत प्रसारण डीडी न्यूज चेनल पर DD NEWS

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार
विकसित भारत
विकसित गुजरात

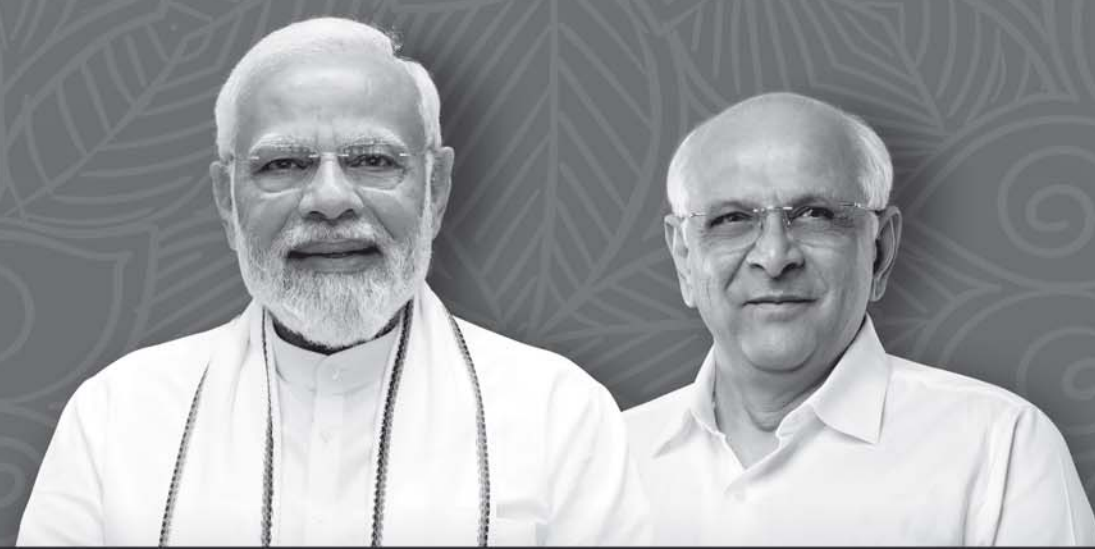

दीपावली और नव वर्ष की शुभकामनाएँ

सबका साथ, सबका विकास का
यह नया वर्ष सबके प्रयास के साथ
सभी के लिए मंगलमय हो,
यही शुभकामना

विकास के प्रकाश का पर्व

- गुजरात बनेगा **भारत का सिलिकॉन गेटवे:** राज्य में कार्यरत होंगे **चार सेमीकंडक्टर प्लांट्स**
- पूरे देश में **'पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'** में गुजरात का योगदान महत्वपूर्ण
- **i - खेडूत पोर्टल, कृषि महोत्सव, किसानों को 0% ब्याज दर पर ऋण,** न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कृषि उत्पादों की खरीद, और सॉइल हेल्थ कार्ड जैसी कृषि क्षेत्र की प्रगति सुनिश्चित करने वाली महत्वपूर्ण योजनाएँ।
- **नारी गौरव** नीति बनाकर गुजरात ने स्थापित किया एक सीमास्तंभ
- अहमदाबाद में **भारत के सबसे बड़े शॉपिंग फेस्टिवल** का आयोजन
- **2 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर सिस्टम, सौर क्रांति** में गुजरात के बढ़ते कदम
- कच्छ के खावड़ा में विश्व का सबसे बड़ा हाइब्रिड **रिन्यूएबल एनर्जी पार्क** (क्षमता: 37 गीगावाट)
- **नमो लक्ष्मी** योजना से राज्य की **१० से १२ लाख छात्राओं** को मिलेगा वित्तीय लाभ
- **१६०० से अधिक** गरीब कल्याण मेले आयोजित कर **१.५ करोड़ से अधिक लाभार्थियों** को ₹36,800 करोड़ की सहायता दी गई
- UNWTO द्वारा धोरडो को **'बेस्ट टूरिज्म विलेज'** का अवार्ड

आइए, सभी मिलकर विकास के दीप प्रज्वलित करें
अविरत विकास, अग्रसर गुजरात